स्वच्छ भारत
सम्पूर्ण स्वच्छता की ओर

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA

Azadi Ka Amrit Mahotsav

G20 भारत 2023 INDIA

स्वच्छता समाचार

खंड 3 । अंक 8 । जुलाई 2023

स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण न्यूज़लेटर

@swachhbharat @SBMGramin @SwachhBharatMissionGramin @swachh_bharat @swachhbharatgrameen

“गोबरधन का एकीकृत पंजीकरण पोर्टल सहकारी संघवाद का एक आदर्श उदाहरण है क्योंकि सभी सहभागी केंद्रीय मंत्रालयों, केंद्र और राज्यों के सभी सहयोगी विभागों ने उक्त पोर्टल को विकसित करने और संस्थापित करने के लिए एक साथ मिलकर कार्य किया है। यह पोर्टल ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (EODB) सुनिश्चित करेगा और निजी निवेशकों से अधिक निवेश आकर्षित करेगा। हमें गोबरधन नवाचार के परिणामों में और अधिक तेजी और प्रगति सुनिश्चित करने के लिए अपने ठोस प्रयासों को जारी रखना चाहिए।”

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत
केंद्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

30 जून, 2023 तक

ODF+

भारत के 3,56,829 से अधिक गांवों ने खुद को ODF Plus घोषित किया है।

- उदीयमान: **2,47,567**
- उज्ज्वल: **40,003**
- उत्कृष्ट: **69,259**

1,92,783 गांवों में ठोस कचरे के प्रबंधन की व्यवस्था है।
2,90,978 गांवों में तरल कचरे के प्रबंधन की व्यवस्था है।
देश भर में **642** गोबरधन संयंत्र का कार्य पूर्ण हो गया है।
कुल **1525** प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयों की स्थापना की गई है।

गोबरधन संयंत्रों के लिए एकीकृत पंजीकरण पोर्टल का शुभारंभ:: गोबरधन संयंत्रों के लिए एकीकृत पंजीकरण पोर्टल का शुभारंभ: केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 1 जून, 2023 को गोबरधन संयंत्रों के लिए एकीकृत पंजीकरण पोर्टल का शुभारंभ किया। भारत में बायोगैस, कंप्रेस्ड बायोगैस (CBG) या बायो कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (BIO CNG) संयंत्र संचालित करने वाली या स्थापित करने की इच्छुक कोई भी सरकारी या निजी संस्था इस पोर्टल पर पंजीकरण करके पंजीकरण नंबर प्राप्त कर सकती है। अन्य मंत्रालयों और विभागों से अनेक लाभ या सहायता प्राप्त करने के लिए पंजीकरण नंबर की आवश्यकता होती है।

रेट्रोफिट टू ट्विन पिट अभियान: 19 नवंबर 2022 से 30 जून 2023 तक आयोजित किए जा रहे अभियान के तहत, **10,10,534** शौचालयों को रेट्रोफिट किया गया है। इनमें से **8,09,520** एकल गड्ढे वाले शौचालयों को दो गड्ढ़ों वाले शौचालयों में बदला गया है और **2,01,014** सेप्टिक टैंक शौचालयों को सोख्ता गड्ढों से जोड़ा गया है।

सुजलम 3.0 अभियान

DDWS के IMIS के अनुसार, 5 मई से 5 जून 2023 तक आयोजित सुजलाम 3.0 अभियान के **28,61,040** सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया गया। गंदला जल प्रबंधन परिसंपत्तियों में से **21,64,867** सोख्ता गड्ढे थे; **1,91,048** लीच पिट थे; **3,65,683** मैजिक पिट थे; और **1,39,442** सामुदायिक सोख्ता गड्ढे थे।

स्वच्छता पखवाड़ा:

कोयला मंत्रालय ने 16-30 जून 2023 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया, जिसमें स्वच्छता की शपथ लेना; स्वच्छता पर बैनर और डिजिटल डिस्प्ले की स्थापना; जूट/कपड़े के बैग और पौधों का वितरण; एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए जागरूकता अभियान, नुक्कड़ नाटक और सामूहिक स्वच्छता अभियान शामिल थे। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने इस अवधि के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा भी मनाया।

उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती महोत्सव में ODF Plus परिसंपत्तियों के लाइव मॉडल का प्रदर्शन

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

एक उल्लेखनीय पहल में, उत्तर प्रदेश में श्रावस्ती जिले की स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (SBM-G) टीम ने यूनिसेफ के सहयोग से ODF Plus परिसंपत्तियों के ऐसे लाइव मॉडल विकसित किए, जो ठोस और तरल कचरे को प्रभावी ढंग से प्रबंधन करते हैं। ग्राम पंचायतों को ऐसे आदर्श ODF Plus गांवों में बदलने के लिए ऐसी परिसंपत्तियां महत्वपूर्ण हैं, जो दृश्यगत स्वच्छता को बढ़ावा देती हैं।

श्रावस्ती के जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस वर्ष 22 से 24 मई 2023 तक आयोजित, उत्तर प्रदेश का श्रावस्ती महोत्सव एक सांस्कृतिक मिश्रण और विकास उत्सव का प्रतीकात्मक स्वरुप है।

महोत्सव के इस संस्करण को सरकारी विभागों के लिए अपनी अपनी विकास योजनाओं के तहत की गई प्रगति को लोकप्रिय बनाने और प्रदर्शित करने के अवसर के रूप में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में विविध समुदायों की भारी उपस्थिति के कारण, जिलाधिकारी सुश्री नेहा प्रकाश और मुख्य विकास अधिकारी, श्री अनुभव सिंह ने ईमानदारी से यह सुनिश्चित किया कि प्रदर्शन स्टाल विचार की दृष्टि से अभिनव और प्रभावी प्रस्तुति हों।

SBM-G और यूनिसेफ की टीम ने उन सभी योजनाओं को चुना जो एक आदर्श ग्राम पंचायत की धारणा के लिए वास्तविक थीं। फिर उन्होंने संचालन संबंधी सिद्धांतों का पालन करते हुए मानक डिजाइन विनिर्देशों के चित्रों के साथ परिपूर्ण प्रत्येक स्कीम के कामकाजी मॉडल की योजना बनाई और उसे विकसित किया।

संपर्क: tuhinaroymitra@gmail.com

बिहार में सप्ताह भर चलने वाला MHM जागरूकता अभियान

प्रत्येक वर्ष 28 मई को पड़ने वाले विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस को ध्यान में रखते हुए, बिहार में मासिक धर्म स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने, मासिक धर्म से जुड़े कलंक की भ्रांति को तोड़ने की आवश्यकता और राज्य भर में स्कूली लड़कियों और महिलाओं के बीच मासिक धर्म संबंधी उत्पादों तक पहुंच से संबंधित चुनौतियों पर प्रकाश डालने के लिए एक सप्ताह का अभियान चलाया गया।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य और स्वच्छता (MHM), महिलाओं और किशोरी बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए आवश्यक है। फिर भी, पर्याप्त जागरूकता न होने के कारण, जो महिलाएं मां होने पर गर्व करती हैं, वे मासिक धर्म पर चर्चा करने से कतराती हैं। इसके अलावा, कई किशोरी बालिकाएं और महिलाओं को कलंक से लेकर सामाजिक बहिष्कार तक कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सांस्कृतिक वर्जनाओं, गरीबी और शौचालय तथा स्वच्छता उत्पादों जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी से स्थिति और भी जटिल हो जाती है, जिससे मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ी चुनौतियां और भी बदतर हो जाती हैं।

मुजफ्फरपुर में जिला विकास आयुक्त, सह प्रभारी जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने 'माई रेड कलर-माई प्राइड' अभियान के साथ मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य व स्वच्छता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने लड़कियों और महिलाओं से जुड़ी इस वर्जना को तोड़ने की अपील की और उन्हें मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता के बारे में खुलकर बात करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसके अंतर्गत, हजारों लड़कियों और महिलाओं ने इस अभियान के बैनर पर हस्ताक्षर किए और MHM जागरूकता रैली में शामिल हुई। इसमें 'रेड डॉट माई प्राइड', 'चुप्पी तोड़ो और मासिक धर्म स्वास्थ्य से जुड़ो', 'मां होने पर गर्व है, फिर आपको मासिक धर्म पर शर्म क्यों आती है?' जैसे नारे लगाए गए।

संपर्क: sc.iec@lsba.in

गुजरात ने तटीय सफाई की दिशा में सराहनीय कदम उठाए

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

वर्ष 2022 में, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने स्वच्छ तट के महत्व को बढ़ावा देने के लिए 5 जुलाई से 17 सितंबर 2022 तक पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर (स्वच्छ तट, सुरक्षित समुद्र) अभियान को समर्थन दिया। इस अभियान का मूल उद्देश्य देश के नागरिकों के बीच व्यवहार परिवर्तन लाना था, जिससे उन्हें घर पर कचरे का उपभोग, जिम्मेदारी से निपटान और अलग करने के महत्व को समझने और सिंगल-यूज प्लास्टिक (SUP) के उपयोग पर अंकुश लगाने में मदद मिली। अभियान के परिणामस्वरूप, कई तटीय राज्यों ने पर्यावरण की रक्षा के उद्देश्य से अपने समुद्र तटों को नियमित आधार पर साफ करने के उपाय शुरू किए हैं।

सोमनाथ मंदिर और वेरावल नगर के पास लंबी तटरेखा की स्वच्छता बनाए रखने के लिए, गिर सोमनाथ जिले का जिला प्रशासन, NSF (राष्ट्रीय सेवा योजना) के तहत स्वच्छता अभियान आयोजित करता है जिसमें जिले के वरिष्ठ नागरिक, युवा स्वयंसेवक और विभिन्न विभागीय कर्मचारी शामिल होते हैं। वेरावल पाटन नगरपालिका और सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के संयुक्त प्रयासों से सफाई का काम किया जाता है। दैनिक सफाई गतिविधियों में एकत्र किए गए कचरे को अलग करना और हर पखवाड़े नगरपालिका के नामित डंपिंग साइट पर अजैविक योग्य कचरे का आगे की प्रक्रिया के लिए निपटान करना शामिल है।

संपर्क: IEC.sbmg@gmail.com

रत्नागिरी ने 846 ग्राम पंचायतों में प्लास्टिक कचरा संग्रह अभियान के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

5 जून 2023 को, विश्व पर्यावरण दिवस पर, महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले की 846 ग्राम पंचायतों में एक साथ प्लास्टिक कचरा संग्रह अभियान आयोजित किया गया। गतिविधियों का नेतृत्व ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंचों द्वारा किया गया और इसमें ग्राम पंचायत सदस्यों, ग्राम अधिकारियों, छात्रों, महिला समूहों और गैर सरकारी संगठनों की उत्साहवर्धक भागीदारी देखी गई।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

जिला जल और स्वच्छता सेल द्वारा आयोजित, 'प्लास्टिक मुक्त रत्नागिरी' अभियान में यह स्वीकार किया गया कि स्वस्थ जीवन को बनाए रखने के लिए स्वच्छता महत्वपूर्ण है। इसमें बीमारियों को दूर रखने, पर्यावरण को संरक्षित करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सफाई के महत्व पर जोर दिया गया है।

स्वयंसेवकों के सामूहिक प्रयासों के परिणामस्वरूप, प्रति ग्राम पंचायत लगभग 5 से 12 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा और पूरे जिले से 8,692 किलोग्राम प्लास्टिक कचरे का संग्रह हुआ। इसमें प्लास्टिक की थैलियां, बोतलें, कंटेनर, रैपर, पैकेजिंग सामग्री और दैनिक जीवन में आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले अन्य उत्पाद शामिल थे।

अभियान से पहले, जिला समन्वयकों ने उन स्थानों के बारे में जानकारी एकत्र की, जहां कचरा डाला जा रहा था। उन्होंने सर्वेक्षण के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग किया जिसने सामुदायिक भागीदारी, रिपोर्टिंग, प्रलेखन और निगरानी की सुविधा भी प्रदान की, जिससे उपयोगकर्ता साइटों की तस्वीरें ले सके और उन्हें अपलोड कर सके।

संपर्क: aghodke@unicef.org

केरल की चीमेनी ओपन जेल में खाना पकाने के लिए बायोगैस का उपयोग

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

केरल के उत्तरी जिले कासरगोड में कयूर चीमेनी ग्राम पंचायत (GP) में ओपन जेल एंड करेक्शनल होम में एक गोबरधन संयंत्र है जो जेल परिसर में रहने वाले 155 लोगों के लिए भोजन बनाने के लिए पर्याप्त बायोगैस उत्पन्न करता है।

50 घन मीटर वाले बायोगैस संयंत्र की स्थापना एकीकृत ग्रामीण प्रौद्योगिकी केंद्र (IRTC) द्वारा 16,71,172 करोड़ रुपये की लागत से की गई थी और इसने 10 अप्रैल 2023 को कार्य करना शुरू कर दिया था। यह परियोजना स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (SBM-G) की गोबरधन योजना के तहत आती है।

यह संयंत्र, जो प्रतिदिन 500 किलोग्राम गोबर का उपयोग कर सकता है, प्रतिदिन 20 घन मीटर कच्ची बायोगैस का उत्पादन करता है। दूसरी ओर, प्रतिदिन उत्पादित घोल की मात्रा 450 किलोग्राम होती है, जिसमें से 225 किलोग्राम ठोस घोल होता है और 225 किलोग्राम तरल घोल होता है।

जेल परिसर में काम करने वाली विभिन्न उत्पादन इकाइयां हैं, जिनमें एक पोल्ट्री फार्म, एक गाय फार्म, एक बकरी फार्म, एक खरगोश फार्म और एक सुअर फार्म शामिल हैं, मुख्य रूप से गाय के फार्म से पर्याप्त गोबर मिल जाता है, जिसका उपयोग बायोगैस के उत्पादन में किया जाता है।

बायोडाइजेस्टर में, बायोगैस का उत्पादन करने के लिए एनारोबिक बैक्टीरिया की उपस्थिति में पशुओं का गोबर सड़ जाता है।

संपर्क: atrmsw@gmail.com

राजस्थान के शहरी FSTP से जुड़ेंगी आस-पास की ग्राम पंचायतें

शहरी स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों के एक अनूठे अभिसरण में, राजस्थान के शहरी क्षेत्रों में मलीय कीचड़ प्रबंधन संयंत्र (FSTP), जो अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे हैं, अब से उन ग्राम पंचायतों की सेवा करेंगे जिनके 15 Km के दायरे में मलीय कीचड़ प्रबंधन संयंत्र नहीं है। यह कदम जो एकल गड्ढे और सेप्टिक टैंक शौचालयों से मलीय कचरे के सह-उपचार की सुविधा प्रदान करेगा तथा उन गांवों को ODF Plus गांवों में बदलने में मदद करेगा।

वर्तमान में, राजस्थान में 3 शहरी मलीय कीचड़ उपचार संयंत्र हैं- लालसोट (दौसा) में 20 KLD FSTP संयंत्र, फुलेरा (जयपुर) में 20 केएलडी FSTP संयंत्र, और खंडेला (सीकर) में 10 KLD FSTP संयंत्र।

नई व्यवस्था के अनुसार, 312 गांवों (लालसोट FSTP के माध्यम से 198 गांव, खंडेला FSTP के माध्यम से 69 गांव, और फुलेरा FSTP के माध्यम से 45 गांव) के मलीय कचरे की सह-उपचार सुविधा तक पहुंच होगी।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

संपर्क: sbmg2018@gmail.com

मेलिनाजुगनहल्ली मंदिर के कचरे का प्रबंधन, किसानों को फायदा

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

कर्नाटक में बैंगलोर ग्रामीण जिले के मेलिनाजुगनहल्ली ग्राम पंचायत में स्थित SS घाटी सुब्रमण्य मंदिर में इष्ट देवता की पूजा के लिए उपयोग किए जाने वाले फूलों, भोजन, पत्तियों और अन्य वस्तुओं का भारी मात्रा में कचरा निकलता है। जिला प्रशासन के साथ मंदिर के पदाधिकारियों ने अब एक सुविधा स्थापित की है, जो उन्हें वर्मीकम्पोस्ट का उत्पादन करने के लिए सभी जैविक कचरे का उपयोग करने में सक्षम बनाएगी।

प्रत्येक जनवरी माह में, लाखों भक्त स्वामी के रथ महोत्सव को देखने के लिए ग्राम पंचायत में आते हैं। इस त्योहार के दौरान और अन्य समय में, इस ग्राम पंचायत में कचरे का प्रबंधन एक बड़ा चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है। उत्पन्न कचरे को सड़ने के लिए छोड़ दिया जाता था, जिससे दुर्गंधयुक्त और अस्वास्थ्यकर वातावरण पैदा हो जाता था, जिससे श्रद्धालु और क्षेत्र के अन्य लोग नाराज होते थे। मंदिर के पदाधिकारी कचरे के परिणामस्वरूप मच्छरों की आशंका और इस कचरे की ओर आकर्षित पक्षियों तथा आवारा जानवरों से भी परेशान रहते थे।

मंदिर का प्रबंधन बोर्ड कच्चे कचरे के मुद्दे को ग्राम पंचायत के ध्यान में लाया, और विभिन्न कारकों के आधार पर, जिला प्रशासन ने उन्हें खाद बनाने के लिए वर्मी-पिट बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। SBM-G के तहत, मंदिर परिसर के बगल में सर्व नंबर 38 पर एक एकड़ भूमि में एक स्वच्छ संकीर्ण परिसर (कचरा प्रबंधन इकाई) का निर्माण किया गया था। मंदिर से सभी गीले कचरे का प्रबंधन करने के लिए इस इकाई में 4 वर्मीकम्पोस्ट टैंक थे।

संपर्क: wsrdpr@gmail.com

प्लास्टिक प्रदूषण को मात देगा बलरामपुर का बर्तन बैंक

प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना उपभोक्ताओं, प्रतिष्ठानों और प्रशासन द्वारा एक सामूहिक प्रयास होना चाहिए। इस दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए, छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में पांच ग्राम पंचायतों ने एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया है और बर्तन बैंक स्थापित किए हैं।

बलरामपुर जिले की 5 ग्राम पंचायतों में स्वयं सहायता समूहों द्वारा बर्तन बैंक संचालित किए जा रहे हैं: भनोरा ग्राम पंचायत में संतोषी SHG द्वारा; तातापानी ग्राम पंचायत में मीरा SHG द्वारा; पुरनडीह ग्राम पंचायत में स्वच्छता SHG द्वारा; मितगई GP में शीतल SHG द्वारा; और डाकवा GP में राजशक्ति SHG द्वारा।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

कलेक्टर श्री आर. एक्का और CEO-जिला पंचायत सुश्री रीना ज़मील के मार्गदर्शन में बलरामपुर के जिला प्रशासन के सहयोग से यह पहल की गई है। इसके अलावा, पूरे बलरामपुर ब्लॉक को सिंगल यूज प्लास्टिक से शत-प्रतिशत मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इस प्रयोग के माध्यम से, बलरामपुर के जिला प्रशासन का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर प्लास्टिक की प्लेटों, कटोरों और चम्मचों के उपयोग और निपटान को कम करना है।

बर्तन बैंकों का संचालन करने वाले महिला स्व-सहायता समूह अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं। अक्सर ऐसा होता है कि गांव में किसी भी कार्यक्रम जैसे जन्मदिन, विवाह और अन्य उत्सवों के लिए जब भोजन तैयार किया जाता है, बर्तन बैंक एक मामूली शुल्क लेकर साफ बर्तन उधार देता है। यह देखते हुए कि किसी डिस्पोजेबल का उपयोग नहीं किया जाता है। ऐसे कार्यक्रमों के बाद उत्पन्न कचरा काफी कम होता है, मॉडल के रूप में शुरू की गई इस पहल के माध्यम से अब तक लगभग 19,260 रुपये आय हुई है।

संपर्क: rajeshkjain1982@gmail.com

राज्य के झरोखे से

ओडिशा में FSM के लिए ग्रामीण-शहरी अभिसरण का एक अनूठा मॉडल

श्री परमेश्वरन बी,
मिशन निदेशक, पंचायती और पेयजल विभाग, ओडिशा

ओडिशा फिकल स्लज मैनेजमेंट (FSM) जो ग्रामीण-शहरी अभिसरण के माध्यम से पर्यावरण के प्रदूषण को रोकती हैं और जल निकायों में मल संदूषण के खतरे को कम करती हैं, की व्यवस्था में एक अग्रदूत के रूप में उभरा है, के वर्तमान में, राज्य के शहरी स्थानीय निकायों (ULB) में 115 मलीय कीचड़ उपचार संयंत्र (FSTP) चालू हैं। वर्ष 2019 में, ढेंकनाल नगरपालिका, ग्रामीण-शहरी अभिसरण के तहत पायलट आधार पर कुछ सीमावर्ती ग्राम पंचायतों में 27 KLD गुरुत्वाकर्षण-आधारित FSTP प्रणाली का विस्तार करने वाला देश का पहला छोटा शहर बन गया। ढेंकनाल में सफल कार्यान्वयन के बाद, इस मॉडल को राज्य के ऐसे सभी जिलों में विस्तारित किया गया है, जहां ULB के 20 Km के दायरे में सभी ग्राम पंचायतों को शहरी FSTP के साथ जोड़ दिया गया है। इस अभिसरण के माध्यम से, 6,794 ग्राम पंचायतों की 3,552 ग्राम पंचायतों को FSM सेवाओं के दायरे में लाया गया है, जिससे 47 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं, जो राज्य के ग्रामीण परिवारों का लगभग 56% है। आज की तारीख में, 70 से अधिक FSTP, ग्रामीण क्षेत्रों से मलीय कीचड़ का समुचित उपचार कर रहे हैं, जिसके कारण FSTP के उपयोग में भी वृद्धि हुई है।

ओडिशा में FSTP का प्रबंधन और संचालन ट्रांसजेंडर समुदायों के सदस्यों सहित स्थानीय स्वयं सहायता समूहों (SHG) या क्षेत्र स्तरीय संघों (ALF) द्वारा किया जा रहा है। इन स्व-सहायता समूहों/ALF को FSTP के संचालन और अनुरक्षण तथा सेसपूल एम्पियर वाहनों को संभालने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। नए FSTP को प्रशिक्षित करने के लिए पुराने FSTP के ऑपरेटर लगाए गए हैं, जिससे आवश्यक ज्ञान और अनुभव साझा करने में मदद मिलती है। डीस्लजिंग के अनुरोधों वाले ग्राहकों से कॉल प्राप्त करने और रिकॉर्ड करने के लिए एक 24x7 कॉल सेंटर स्थापित किया गया है। ग्रामीण आबादी को उनके परिवारों को प्रदान की जा रही FSM सेवाओं के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए IEC गतिविधियां शुरू की जा रही हैं। FSM पर प्रभावी ग्रामीण-शहरी अभिसरण धीरे-धीरे राज्य में इन शहरी FSTP के संचालन की स्थिरता और वित्तीय लाभ में सुधार कर रहा है।

Word search

J	R	C	J	U	S	X	C	B	A	T	Y	D	B	E	B
V	G	U	C	O	D	C	I	I	D	P	S	A	R	X	I
O	N	X	E	F	H	O	S	O	N	A	E	U	T	W	O
C	I	L	F	N	S	Z	H	G	L	A	T	R	D	E	D
N	L	N	L	L	E	F	D	A	H	L	G	K	K	R	E
T	Q	E	U	X	P	R	H	S	U	E	A	R	T	U	G
K	N	R	A	I	F	S	P	C	V	Q	C	X	O	N	R
T	R	N	O	N	U	F	I	E	W	D	J	Z	S	A	A
Y	L	E	F	A	F	R	I	R	R	Z	L	S	K	M	D
H	J	X	G	G	G	U	W	C	F	T	R	K	E	D	A
S	J	P	Z	A	J	V	E	I	L	L	N	J	L	F	B
H	C	M	R	R	Q	S	B	L	E	B	W	E	F	M	L
G	N	U	D	W	O	C	H	Z	Z	Y	V	Q	A	K	E
S	A	G	E	S	U	O	H	N	E	E	R	G	K	N	J
R	N	P	H	I	H	G	L	W	D	W	Y	G	D	P	A
K	I	T	C	H	E	N	L	E	F	T	O	V	E	R	S

Gobardhan

1. Biogas
2. Bio slurry
3. Cow dung
4. Organic
5. Manure
6. Agriculture
7. Kitchen leftovers
8. Clean fuel
9. Biodegradable
10. Greenhouse gas
11. Entrepreneur
12. Gaushalas

Answers

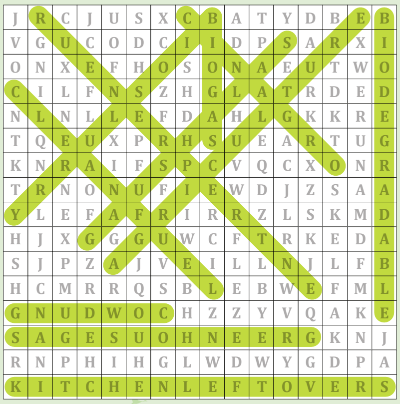

राज्यों की विभागीय यात्राएं

आंध्र प्रदेश: सचिव-DDWS ने ग्रामीण आंध्र प्रदेश में ODF Plus की उपलब्धियों का आकलन करने के लिए NTR जिले के जुपुडी गांव का दौरा किया। उनके साथ पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के विशेष मुख्य सचिव श्री बी. राजशेखर; इंजीनियर-इन-चीफ, श्री आर.वी.कृष्णा रेड्डी और RWS&S के अन्य मुख्य अभियंता थे। श्रीमती विनी महाजन ने ग्राम समुदाय के साथ जल निकासी, कचरा प्रबंधन, कंपोस्ट खाद बनाने और कचरे के पृथक्करण से संबंधित प्रणालियों पर चर्चा की।

इसके बाद, आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव श्री के.एस. जवाहर रेड्डी की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक में, सचिव, DDWS ने ODF स्थिरता के महत्व और एक सर्कुलर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक में भाग लेने वाले अन्य लोगों में श्रीमती ए. सूर्य कुमारी, आयुक्त, PR&RD; श्री कृष्णा रेड्डी, E-I-C, RWS&S विभाग; श्रीमती गायत्री, सीई, RWS विभाग; श्री हरे राम नाइक, सीई, RWS&S; श्री सुधाकर, अपर आयुक्त, PR&RD; और श्रीमती पी. उर्मिला देवी, ED SBM-G शामिल थे। इस बैठक में 26 जिलों के जिला कलेक्टरों और RWPF के रूप में मनोनीत संख्या टाटा ट्रस्ट ने वर्चुअल रूप से भाग लिया।

SBM-G के संयुक्त सचिव और राष्ट्रीय मिशन निदेशक श्री जितेंद्र श्रीवास्तव ने भी ODF Plus समीक्षा बैठक में भाग लिया। इसके बाद उन्होंने एलुरु जिले के भीमाडोले गांव का दौरा किया और जिला, मंडल और पंचायत अधिकारियों के साथ बातचीत की। उन्होंने ठोस कचरा प्रसंस्करण केंद्र (SWPC) की जांच की और गांव के CLAP मित्र टीम के साथ चर्चा की। DDWS के संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक के साथ SBM-G के राज्य मिशन निदेशक श्री जे. वेंकट मुरली और उनकी राज्य और जिला SBM-G टीमें भी थीं।

महाराष्ट्र: DDWS सचिव श्रीमती विनी महाजन और महाराष्ट्र के मुख्य सचिव, श्री मनोज सौनिक ने ग्रामीण महाराष्ट्र में SBM-G की प्रगति की समीक्षा करने के लिए एक बैठक की संयुक्त रूप से अध्यक्षता की, जिसमें ठोस कचरा, प्लास्टिक कचरा, गोबरधन, गंदला जल और मलीय कचरा का प्रबंधन शामिल है।

बैठक में DDWS के संयुक्त सचिव और SBM-G के राष्ट्रीय मिशन निदेशक श्री जितेंद्र श्रीवास्तव; जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव श्री संजीव जायसवाल, महाराष्ट्र सरकार से SBM-G के मिशन निदेशक श्री प्रदीप कुमार डांगे उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारियों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने वर्चुअल रूप से भाग लिया।

सचिव की कलम से

हमारे पर्यावरण की रक्षा के लिए जागरूकता और कार्रवाई को बढ़ावा देने वाले विश्व पर्यावरण दिवस पर हम इस तथ्य से प्रेरणा ले सकते हैं कि SBM-G अभियान, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, गंदला जल उपचार और जल स्रोत प्रदूषण को रोकना सहित ठोस और तरल कचरे के समुचित प्रबंधन के माध्यम से अतिमहत्वपूर्ण मुद्दों का निराकरण करता है। हमारी गतिविधियों को आगे बढ़ाने का कार्य हाल ही में लॉन्च किया गया गोबरधन पोर्टल करेगा, जो मौजूदा और प्रस्तावित गोबरधन परियोजनाओं दोनों के संबंध में जानकारी प्रदर्शित करता है और यह इस क्षेत्र में निवेशकों और उद्यमियों के लिए एक बहुमूल्य उपकरण होगा। यह खुशी की बात है कि कई राज्य इन क्षेत्रों में प्रगति कर रहे हैं और प्रत्यक्ष स्वच्छता धीरे-धीरे एक वास्तविकता बन रही है।

श्रीमती विनी महाजन
सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग,
जल शक्ति मंत्रालय

मिशन निदेशक की कलम से

रेट्रोफिटिंग टू ट्विन पिट अभियान, सुजलाम 3.0 और गोबरधन आदि नवाचारों ने हमारे गांवों को ODF Plus बनाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ODF Plus गांवों की संख्या, आज 3.50 लाख से अधिक है, जो एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। इसके लिए मैं अपने सभी फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं और फील्ड स्टाफ की सराहना करता हूं। स्पष्ट है कि ग्रामीण समुदायों के बीच ठोस और तरल कचरा प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ रही है - इसका एक स्पष्ट संकेत ODF Plus के सभी घटकों में समुदाय के नेतृत्व वाली गतिविधियां हैं।

श्री जितेंद्र श्रीवास्तव,
संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (SBM-G)
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग,
जल शक्ति मंत्रालय

स्वच्छता समाचार के अगले अंक में योगदान करने के लिए, हर महीने की 15 तारीख से पहले **swachhbharat@gov.in** अपनी प्रस्तुति साझा करें।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

विशेष सचिव का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार।

चौथी मंजिल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, CGO कॉम्प्लेक्स,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
फोनः 011–24362192 | ईमेलः arun.baroka@nic.in